पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड
POWER FINANCE CORPORATION LTD.
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Govt. of India Undertaking)
(आई.एस.ओ. 9001:2015 प्रमाणित) (ISO 9001:2015 Certified)

प्रेस विज्ञप्ति

01 जुलाई, 2020

श्रीमती प्रमिन्द्र चोपड़ा ने पीएफसी के निदेशक (वित्त) के रूप में कार्यभार संभाला

नई दिल्ली, 1 जुलाई 2020: सरकार के स्वामित्व वाले पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी), जो भारत की प्रमुख एनबीएफसी है, ने आज कंपनी के निदेशक (वित्त) के रूप में श्रीमती परमिन्दर चौपड़ा की नियुक्ति की घोषणा की। वह श्री एन बी गुप्ता, जो 30 जून 2020 को अधिवर्षिता की आयु पूर्ण होने पर सेवानिवृत्त हो गए हैं, का स्थान ले रही हैं।

श्रीमती चोपड़ा, निदेशक (वित्त), पीएफसी के पदभार संभालने से पहले पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (पीएफसी) में कार्यकारी निदेशक (वित्त) के रूप में कार्यरत थीं।

32 से अधिक वर्षों के समृद्ध और विविध अनुभव के साथ उन्हें महत्वपूर्ण और कोर वित्तीय कार्यों जैसे कि निधियां जुटाने, कॉर्पोरेट खातों, बैंकिंग और कोषागार, परिसंपत्ति-देयता प्रबंधन, तनावग्रस्त परिसंपत्ति समाधान आदि को संभालने में विशेषज्ञता प्राप्त है।

पीएफसी में ज्वाइन करने से पहले, वह नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनएचपीसी) और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (पीजीसीआईएल) जैसे विद्युत क्षेत्र के प्रमुख संगठनों से जुड़ी थीं।

श्रीमती चौपड़ा, जिन्होंने वर्ष 2005 में पीएफसी में ज्वाइन किया था, ने पीएफसी की अंतर्राष्ट्रीय बाजारों से निधियां जुटाने के लिए विविधता लाने वाली महत्वपूर्ण पहल का नेतृत्व किया, जिसने ऋणदाता को कम लागत पर पैसा जुटाने की अनुमति दी। अपने ध्यान केंद्रित दृष्टिकोण के साथ, विदेशी मुद्रा में निधियां जुटाने की हिस्सेदारी महज 2 वर्ष की छोटी सी अवधि के भीतर मामूली 2% से बढ़कर 15% हो गई है।

श्रीमती चोपड़ा की पीएफसी के नवीन हरित बॉन्ड इश्यू के शुभरंभ और धारा 144 (क) के अंतर्गत अमेरिकी बॉन्ड बाजार से पीएफसी द्वारा पहली बार निधियां जुटाने के लिए उनके द्वारा किए गए प्रयासों सहित उनके कई प्रयासों के लिए भी सराहना की गई है। उन्होंने आरईसी में भारत सरकार की 52.63% की शेयर धारिता के पीएफसी द्वारा मेगा अधिग्रहण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और पीएफसी की पूंजी पर्याप्तता के स्तर और पीएफसी के उधार समझौतों और घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग के बारे में विभिन्न पक्षों के साथ बातचीत से जुड़ी चुनौतियों पर काबू पाया।

श्रीमती चोपड़ा कोस्टल तमिलनाडु पॉवर लिमिटेड और चीयूर इंफ्रा लिमिटेड के निदेशक मंडल में भी निदेशक के रूप में भी काम कर रही हैं।

श्रीमती चौपड़ा की कॉस्ट अकाउंटेंट और एमबीए के रूप में विनम्र शुरूआत से लेकर पीएफसी में वित्तीय कार्यकलापों के शीर्ष रैंक तक पदोन्नति उनकी विनम्रता, प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत का परिचायक है।

पीएफसी के प्रचालनों, प्रबल पक्षों और फोकस क्षेत्रों के बारे में उनकी गहरी समझ निश्चित रूप से विद्युत क्षेत्र के ऋणदाता को आगे बढ़ने और आगे आने वाले दिनों में अधिक से अधिक लक्ष्य हासिल करने में मदद करेगी।

हस्ताक्षरित/-

(एसएस राव)

महाप्रबंधक (पीआर)